ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 17 जून 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 66

सरसंघचालक मोहन भागवत बोले- "महाराणा प्रताप की जयंती मनती है, अकबर की नहीं; इतिहास स्वयं बताता है विजय किसकी हुई"

हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पर राष्ट्र चेतना का विराट संगम, गांधी ग्राउंड में जनसैलाब





24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 जून। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर बुधवार को उदयपुर का गांधी ग्राउंड राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना के विराट उत्सव का साक्षी बना। प्रताप गौरव केंद्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' के तत्वावधान में आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' में हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास पराधीनता का नहीं, बल्कि विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध निरंतर संघर्ष, प्रतिरोध और आत्मगौरव का इतिहास है।

राष्ट्रचेतना, स्वाभिमान और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का महासंग्राम

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं का युद्ध नहीं था, बल्कि राष्ट्रचेतना, स्वाभिमान और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का महासंग्राम था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेज, समकालीन स्रोत और स्वयं मुगल इतिहासकारों के वर्णन इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध के विभिन्न चरणों में मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था। उन्होंने कहा, "यदि युद्ध के बाद भी शत्रु भय और असुरक्षा की स्थिति में रहा, तो इतिहास स्वयं बताता है कि वास्तविक विजय किसकी हुई थी। महाराणा प्रताप की जयंती आज पूरे देश में मनाई जाती है, जबकि अकबर की नहीं। यह लोकनिर्णय ही इतिहास का सबसे बड़ा प्रमाण है।"

"प्रताप का जन्म हुआ, इसलिए हल्दीघाटी की विजय हुई"

सरसंघचालक ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल एक शासक का जीवन नहीं था, बल्कि राष्ट्रधर्म की रक्षा के लिए समर्पित संघर्ष का प्रतीक था। उन्होंने चेतक के पराक्रम, प्रताप की युद्धनीति और सैनिकों के आत्मबल का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेवाड़ की सेना ने विशाल साम्राज्य की सैन्य शक्ति को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की सेना में केवल राजपूत योद्धा ही नहीं, बल्कि समाज का हर वर्ग शामिल था। जाति, पंथ और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर पूरा समाज राष्ट्ररक्षा के लिए एकजुट हुआ था। यही भारत की वास्तविक शक्ति है।

भारत की आत्मा को कोई पराजित नहीं कर सका

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत का समाज कभी भी स्वेच्छा से पराधीनता स्वीकार करने वाला समाज नहीं रहा। बप्पा रावल, ललितादित्य, महाराणा प्रताप और असंख्य वीरों ने समय-समय पर विदेशी आक्रमणों का प्रतिरोध कर भारत की अस्मिता को अक्षुण्ण रखा। उन्होंने कहा कि इतिहास को कई बार सत्ता के निकट रहने वालों ने अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जिसके कारण अनेक राष्ट्रीय नायकों के योगदान को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी एकता, समरसता और आत्मविश्वास में निहित है। समाज को केवल संकट के समय ही नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी संगठित और जागृत रहना होगा।

"हल्दीघाटी विजय इतिहास की भ्रांतियों का अंत करेगी" : श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य

सभा के विशिष्ट अतिथि निम्बार्क पीठाधीश्वर श्रीजी श्याम शरण देवाचार्य ने कहा कि यह आयोजन केवल ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है। उन्होंने कहा कि वर्षों से इतिहास के संबंध में फैलाई गई भ्रांतियों का निराकरण अब समाज के सामने हो रहा है और महाराणा प्रताप के वास्तविक गौरव को पुनः स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की भूमि ने एक ओर महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक और दूसरी ओर मीराबाई जैसी महान कृष्णभक्त को जन्म दिया। जब मातृभूमि और संस्कृति पर संकट आया, तब महाराणा प्रताप ने अपना सर्वस्व राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने समाज से जातीय और सामाजिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। इस दौरान "चंदन है इस देश की माटी, तपोभूमि हर ग्राम है..." गीत के सामूहिक गायन से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा।

"हल्दीघाटी विजय का सत्य नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा" : डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा

समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध के वास्तविक इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जयंती और हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूर्ण होने का यह दुर्लभ संयोग ऐतिहासिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध केवल दो सेनाओं के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि भारतीय अस्मिता और स्वतंत्रता की रक्षा का अभियान था। मेवाड़ ने कभी भी विदेशी सत्ता के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से हल्दीघाटी विजय के ऐतिहासिक तथ्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया।

गांधी ग्राउंड में गूंजते रहे राष्ट्रभक्ति के जयघोष

सभा के दौरान "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्", "जय श्रीराम" और "महाराणा प्रताप अमर रहें" के उद्घोषों से पूरा गांधी ग्राउंड गुंजायमान रहा। मेवाड़, वागड़, मारवाड़ सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों तथा देश के अनेक राज्यों से लोग कार्यक्रम में पहुंचे। बड़ी संख्या में संत-महात्माओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक लाख से अधिक लोगों ने देखा।

प्रताप गौरव केंद्र ने रखा हल्दीघाटी विजय विमर्श

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रताप गौरव केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन देते हुए केंद्र की गतिविधियों और वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉ. मोहन भागवत के सरकार्यवाह रहते हुए प्रताप गौरव केंद्र का शिलान्यास हुआ था तथा उनके सरसंघचालक बनने के बाद वर्ष 2016 में इसका उद्घाटन हुआ। उन्होंने कहा कि प्रताप गौरव केंद्र की श्रव्य-दृश्य प्रदर्शनी ने हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप की पराजय के स्थापित विमर्श को चुनौती देते हुए विजय के पक्ष को समाज के सामने प्रस्तुत किया है। उन्होंने युवाओं से हल्दीघाटी विजय का संदेश विश्वभर तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री सहित अनेक विशिष्टजन रहे उपस्थित

राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़, सांसद सी.पी. जोशी, डॉ. मन्नालाल रावत, राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया, धरोहर संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। विशेष रूप से नाथद्वारा विधायक एवं मेवाड़ राजपरिवार के महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़, सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ तथा मेवाड़ राजपरिवार की सदस्य निवृत्ति कुमारी मेवाड़ की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र रही। बुधवार को महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ का जन्मदिन भी था। सभा में विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, ताराचंद जैन, फूल सिंह मीणा, शंकर डेचा, अर्जुनलाल जीनगर, श्रीचंद कृपलानी, लालाराम बैरवा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख अरुण जैन, राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल, प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जे. नंदकुमार, लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र तथा भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं विश्वविद्यालयों के कुलपति भी समारोह में उपस्थित रहे। राष्ट्र चेतना संकल्प सभा राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक गौरव, ऐतिहासिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान के विराट उद्घोष के रूप में संपन्न हुई।













संपादकीय : सहयोग के मोर्चे

अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने और उसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए विकल्प तलाशने तथा पहले से स्थापित साझेदारी को विस्तार देने को लेकर भारत के प्रयास सही दिशा में आगे बढते नजर आ रहे हैं। इस क्रम में अब भारत, फ्रांस और स्लोवाकिया के बीच आपसी संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने की सहमति बनी है। फ्रांस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना कर 32 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा रेल सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह स्लोवाकिया से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग समेत कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के लिए ग्यारह समझौते किए गए हैं। ये समझौते इसलिए अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि इससे अमेरिका के विकल्प के रूप में भारत की पहुंच अन्य विदेशी बाजारों तक बढ़ेगी। साथ ही इससे 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी गति मिलेगी, जो देश के आत्मनिर्भर होने के लिए बेहद जरूरी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने पिछले वर्ष भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाया था, जिसका सीधा असर देश के निर्यात पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका ने इस शुल्क को कम कर दिया था, लेकिन भारत ने इसे एक सबक की तरह लिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए दुनिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयास शुरू किए। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते इन्हीं प्रयासों का नतीजा है । अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे के दौरान इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के साथ साझेदारी को विस्तार देने का प्रयास किया है। फ्रांस के साथ तेरह मुद्दों पर सहमति बनी है, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा व्यपर एवं निवेश, तकनीक, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग शामिल हैं। इस दौरान फ्रांस से 114 रफाल लड़ाकू विमान खरीदने की भारत की योजना पर भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि भारत ने किसी भी रक्षा मंच के मामले में इस आधार पर आगे बढ़ने पर जोर दिया, जिसमें देश की अधिक से अधिक स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल हो और रक्षा उत्पादों का विनिर्माण भी देश की धरती पर हो। इसी तरह भारत और स्लोवाकिया ने डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए ग्यारह समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही दोनों देशों ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई है। इस व्यापक साझेदारी का उद्देश्य न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि मौजूदा बहुपक्षीय स्तर पर भी सहयोग को और प्रगाढ़ करने के नए रास्ते तलाशना है। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से जिस के तरह के मनमाने फैसले दूसरे देशों पर थोपे जा रहे हैं, उससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से भारत जैसे विकासशील देश सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण पैदा हुए संकट के पीछे अमेरिका की अहम भूमिका रही है। ऐसे में भारत के लिए व्यापार के वैकल्पिक बाजार तलाशना बेहद जरूरी है, ताकि देश की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका की मनमानी नीतियों का प्रभाव कम किया जा सके।

शुचिता की खातिर

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट बूजी 2026) की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार की और से जिस तरह के उपायों पर जोर दिया जा रहा है, अब उन्हीं पर सवाल उठने लगे हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) की सिफारिश पर केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को संवाद ऐप 'टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। एनटीए का कहना है कि यह निर्णय इस ऐप की उस तकनीकी सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संबंध में प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जाता है। मगर क्या सरकार के इस कदम से यह पूरी तरह सुनिश्चित हो पाएगा कि प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा । तकनीक के इस दौर में क्या कोई इसी तरह के दूसरे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकता ? जाहिर है कि ऐसे सतही उपाय इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते हैं। सरकार ने 'टेलीग्राम' पर नीट यूजी की पुनः परीक्षा होने तक इसलिए रोक लगा दी, क्योंकि इसका इस्तेमाल प्रश्नपत्र लीक के फर्जी साक्ष्य गढ़ने के लिए किया जा रहा है। मगर इसकी मूल जड़ तो वहां है, जहां से प्रश्नपत्र लीक होता है। विचित्र बात है कि प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर उसके परिवहन तक की व्यवस्था को पुख्ता करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन परीक्षा संचालन से जुड़े लोगों की जवाबदेही पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह बात सही है कि किसी संवाद ऐप पर भ्रामक जानकारियां फैलाने से परीक्षार्थियों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, लेकिन क्या इस तरह के ऐप पर प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान निकल पाएगा। ऐसे तो सोशल मीडिया से जुड़े कई मंच हैं, जिन्हें इस तरह की अफवाह फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि 'टेलीग्राम' पर पाबंदी से लाखों ऐसे नागरिक भी प्रभावित होंगे, जो इसका इस्तेमाल वैध तरीके से निजी, शैक्षणिक और पेशेवर जानकारी से जुड़े कामों के लिए करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए स्थायी समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में शहरी सेवा शिविर का किया निरीक्षण, बोले- अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही सरकार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) परिसर में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शिविरों के प्रभाव को लेकर फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के साथ प्रदेशभर में शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से पट्टा वितरण, नामांतरण, शुद्धिकरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न राजस्व एवं नागरिक सेवाओं से जुड़े मामलों का निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन के छोटे से छोटे कार्य को भी गंभीरता से लिया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही न बरती जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन प्रकरणों में जांच अथवा अन्य प्रक्रियाओं के कारण अधिक समय लग रहा है, उनके लिए फॉलोअप शिविर आयोजित कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पार्क, सड़क, नाली, सीवर, बिजली और अन्य नगरीय सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के प्राथमिकता से समाधान के निर्देश भी दिए। साथ ही नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को भी शिविरों तक पहुंचाने में सहयोग करें, ताकि कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आमजन की शिकायतों और उनके निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी ली। इस अवसर पर निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी द्वारा तैयार कराई गई विकास पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।

लाभार्थियों को वितरित किए पट्टे, चेक और सहायक उपकरण

मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभ वितरण भी किया। यूडीए की ओर से नरेश जैन एवं संतोष औदिच्य को पट्टा विलेख, रामेश्वर लाल सुखवाल को भवन निर्माण स्वीकृति तथा खेमराज डांगी को भू-उपयोग परिवर्तन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। नगर निगम की ओर से शकुन्तला स्वामी, संजय तंबोली, दिनेश अग्रवाल और महेंद्र मेहता को 69-क पट्टा विलेख तथा सोहनलाल चंदेल को ट्रेड लाइसेंस प्रदान किया गया। राजीविका योजना के तहत पद्मावती सीएलएफ, भुवाणा की सपना और गीता को 1 करोड़ 5 लाख 35 हजार रुपये की अनुदान सहायता राशि का चेक सौंपा गया। वहीं लीड बैंक के माध्यम से सौरभ सिंह को मशरूम खेती के लिए स्वीकृत 1 करोड़ 20 लाख रुपये के ऋण का चेक प्रदान किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से सलीम मोहम्मद को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 41 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक दिया गया। इसके अलावा दिव्यांग लाभार्थी नारायणी बाई को व्हीलचेयर तथा खेमराज गमेती को स्मार्ट केन प्रदान की गई। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री एवं जिला प्रभारी हेमंत मीणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, यूडीए आयुक्त अभिषेक खन्ना सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क किनारे खड़े तीन युवकों को स्कूल बस ने कुचला, एक की मौत, दो गंभीर घायल, आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम, बिजली का खंभा तोड़ खेत में घुसी बस



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के बावलवाड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा खेरवाड़ा-बावलवाड़ा मार्ग पर उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े तीन युवकों को एक निजी स्कूल बस ने टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार तीनों युवक अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान बावलवाड़ा की ओर से आ रही विद्या निकेतन स्कूल की तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर युवकों पर चढ़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस युवकों को टक्कर मारने के बाद सड़क किनारे स्थित बिजली के खंभे को उखाड़ते हुए खेत में जा घुसी। हादसे में नीलेश (19) पुत्र नानालाल पटेल निवासी पटेलवाड़ा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रेमल (30) पुत्र सोमराज गरासिया तथा गिरधर (29) पुत्र दिनेश गरासिया गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। बावलवाड़ा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। हादसे के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीण एवं मृतक के परिजन बस चालक की तत्काल गिरफ्तारी और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। स्थिति को देखते हुए खेरवाड़ा, बावलवाड़ा और पहाड़ा थानों का अतिरिक्त पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात किया गया। खेरवाड़ा एसडीएम जयसिंह, डीएसपी राजीव राहर तथा तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाइश के प्रयास शुरू किए। बताया जा रहा है कि बस में सवार लोग उदयपुर में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए, जहां परिजनों और विशेषकर महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

उदयपुर के डॉ. निर्मल यादव हुए राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 जून। उदयपुर के डॉ निर्मल यादव को राष्ट्रपति भवन मैं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा सोमवार 15 जून को कला क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए मोमेंटो एवं शॉल उड़ा कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा देशभर से 13 चुनिंदा कलाकारों को आमंत्रित कर अपनी खास विशेष शैलियों को जानते हुए डॉ. यादव के साथ सभी कलाकारों की 10 दिवसीय आर्ट रेजिडेंसी का 4 से 14 जून तक आयोजन किया गया। इस आर्ट रेजीडेंसी में विशेष कला प्रयोजन के लिए डॉ. यादव को सभी कला विधाओं का अनुभव होने के कारण आमंत्रित किया गया। डॉ. यादव का अनुभव लघुचित्र शैली, रियलिस्म, कंटेम्प्रेरी, कॉन्सेप्चेल, हेरिटेज रेस्टोरेंशन, एसथेटिक व्यू, स्टोरी बोर्ड(इलेस्ट्रेटर), संयोजन, टेक्सचर, वाल आर्ट के साथ सभी माध्यम जैसे वाटर कलर, टेम्परा, ऑइल कलर, चारकोल और पेन ड्राइंग मैं चित्रण करते हैं। कार्यक्रम के अंतिम दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कलाकारों से अपनी कला के बारे में सीधी बात की और उनकी शैली के बारे में जाना। डॉ यादव ने अपने कला संग्रह में से राष्ट्रपति जी को मिनचर शैली का चित्र उपहार स्वरूप भेंट किया।

उदयपुर में बदला मौसम का मिजाज, हल्की बारिश और तेज हवाओं से मिली राहत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 जून। दिनभर उमस और गर्मी से बेहाल रहे उदयपुरवासियों को बुधवार शाम मौसम के बदले मिजाज ने राहत पहुंचाई। शाम करीब 5:30 बजे शहर के बाहरी क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश शुरू हुई, जिसके बाद शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं का दौर चला। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को उमस से राहत मिली। हालांकि शहर में व्यापक और तेज प्री-मानसून बारिश का इंतजार अभी भी बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दिनों में मौसम की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।

पश्चिमी विक्षोभ से बदला मौसम

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। इसके चलते प्रदेश के विभिन्न जिलों में धूलभरी आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान झुंझुनूं जिले के मलसीसर क्षेत्र में सर्वाधिक 70 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा रही।

अगले तीन दिन सक्रिय रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा और जोधपुर संभाग के अनेक क्षेत्रों में अगले दो से तीन दिनों तक आंधी, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 18 जून से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से मौसम में और परिवर्तन देखने को मिल सकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति फिलहाल सामान्य गति से धीमी बनी हुई है। जिन क्षेत्रों में 15 जून तक मानसून पहुंचने का अनुमान था, वहां 17 जून तक भी मानसून नहीं पहुंच पाया है।

डाक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के लिए डाक अदालत 18 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डाक विभाग के तत्वावधान में गुरूवार को प्रातः बजे मंडल स्तर पर चेटक सर्कल स्थित प्रधान डाकघर में डाक अदालत को आयोजन किया जाएगा। डाकघर के प्रवर अधीक्षक ने बताया कि डाक अदालत में इस दौरान डाकघर काउंटर सेवाएं, मनी ऑर्डर, बचत बैंक, मूल्य देय वस्तुएं, पार्सल व बीमा वस्तुएं डाक जीवन बीमा एवं विदेश डाक वस्तुओं से संबंधित जनता की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन शिकायतों का अब तक संतोषजनक समाधान नहीं हुआ है, वे अपना विस्तृत प्रार्थना पत्र 18 जून तक चेटक सर्कल स्थित प्रवर अधीक्षक डाकघर उदयपुर-04 को प्रेषित कर सकते हैं। इसके अलावा शिकायतकर्ता डाक अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर भी अपना पक्ष रख सकते हैं। शिकायत में शिकायतकर्ता का नाम-पता, संबंधित डाकघर का नाम, शिकायत का पूरा विवरण तथा प्राप्तकर्ता का नाम-पता अंकित करना आवश्यक होगा।

महाराणा प्रताप जयंती पर कूण में निकली भव्य शोभायात्रा, 20 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान



24 न्यूज अपडेट

लसाड़िया। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर मेवाड़ क्षत्रिय महासभा लसाड़िया के तत्वावधान में कूण कस्बे में भव्य शोभायात्रा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से हुआ, जो कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर निकली। यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन, युवा एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाराणा प्रताप के जयघोषों से पूरा कस्बा गुंजायमान हो उठा। आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कूण थाना पुलिस का जाब्ता तैनात रहा। शोभायात्रा के समापन पर विद्यालय परिसर में आयोजित सभा की अध्यक्षता अरविंद सिंह खोडिया का खेड़ा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहन सिंह राणावत उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में जग जितेन्द्र सिंह शक्तावत, अर्जुन सिंह शक्तावत, मोहब्बत सिंह सारंगदेवोत, करणी सिंह, तहसील अध्यक्ष हिम्मत सिंह राठौड़ एवं फतह सिंह झाला शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन ललित सिंह शक्तावत ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण को याद किया। उन्होंने युवाओं से महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले 20 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और युवाओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

गोडावण संरक्षण अभियान को बड़ी सफलता, संख्या बढ़कर 94 पहुंची, जैसलमेर ब्रीडिंग सेंटर में तीन नए चूजों का जन्म



24 न्यूज अपडेट

जैसलमेर। राजस्थान के राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के संरक्षण अभियान को बड़ी सफलता मिली है। जैसलमेर स्थित ब्रीडिंग सेंटरों में तीन नए चूजों के जन्म के साथ गोडावण की संख्या बढ़कर 94 हो गई है। इनमें से दो चूजों का जन्म कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन) से प्राप्त अंडों से हुआ है, जबकि एक चूजा जंगल से सुरक्षित लाए गए अंडे से निकला है। वन विभाग द्वारा वर्ष 2018 से इस विलुप्तप्राय पक्षी के संरक्षण और प्रजनन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रजनन सत्र अभी जारी है, ऐसे में आने वाले समय में गोडावण की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। डेजर्ट नेशनल पार्क के अधिकारी बृजमोहन गुप्ता ने बताया कि जैसलमेर जिले में वन विभाग एवं जीआईबी परियोजना के तहत सम के सुदासरी और रामदेवरा में दो विशेष ब्रीडिंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों में गोडावण के प्राकृतिक प्रजनन के साथ-साथ जंगल से सुरक्षित लाए गए अंडों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण किया जाता है। विशेषज्ञों की टीम चौबीसों घंटे निगरानी कर चूजों का पालन-पोषण करती है। उन्होंने बताया कि जंगल से अंडों को सुरक्षित लाने से गोडावण की आनुवंशिक विविधता बनाए रखने में मदद मिलती है। इससे नई पीढ़ी के पक्षी अधिक स्वस्थ होते हैं और बदलते पर्यावरण के अनुरूप स्वयं को बेहतर ढंग से ढाल पाते हैं। साथ ही अंडों को शिकारियों और अन्य प्राकृतिक खतरों से भी सुरक्षा मिलती है। वन विभाग के अनुसार इस बार संरक्षण रणनीति के तहत सुरक्षित रखे गए अंडों से तीन चूजों का सफलतापूर्वक जन्म हुआ है, जिसे गोडावण संरक्षण अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी कुछ अन्य अंडों से भी चूजे निकलने की संभावना बनी हुई है। गोडावण की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए रामदेवरा क्षेत्र में लगभग 6.25 करोड़ रुपये की लागत से 64 मीटर लंबी विशेष सुरंग का निर्माण भी किया जा रहा है। यह परियोजना पक्षियों को सुरक्षित आवागमन और संरक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बड़ी कार्रवाई, 10 हजार का इनामी बदमाश स्मैक सहित गिरफ्तार

हिस्ट्रीशीटर के फ्लैट से 36.46 ग्राम स्मैक, नशे के उपकरण और 66 हजार रुपए नकद बरामद

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के इनामी एवं हिस्ट्रीशीटर बदमाश सुरेश कुमार उर्फ भोना सिंधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके किराये के फ्लैट पर दबिश देकर 36.46 ग्राम अवैध स्मैक, नशे के कारोबार में प्रयुक्त उपकरण तथा 66 हजार 800 रुपए नकद बरामद किए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा एवं पुलिस उपाधीक्षक ब्रजेश सिंह के निर्देशन में सदर थाना प्रभारी प्रेम सिंह के नेतृत्व में सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर ओछड़ी स्थित प्रधानमंत्री आवासीय योजना के एक फ्लैट पर छापा मारा। दबिश के दौरान फ्लैट में सुरेश कुमार उर्फ भोना सिंधी पुत्र मंगाराम सिंधी निवासी किला रोड, चित्तौड़गढ़ मौजूद मिला, जो वर्तमान में उक्त फ्लैट में किराये पर रह रहा था। पुलिस द्वारा तलाशी लेने पर फ्लैट से 36.46 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। इसके साथ ही मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं परिवहन में उपयोग किए जाने वाले उपकरण और 66 हजार 800 रुपए नकद भी जब्त किए गए।



प्रारंभिक जांच में बरामद नकदी का संबंध मादक पदार्थों के कारोबार से होने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी भोपालसागर थाना क्षेत्र का 10 हजार रुपए का इनामी बदमाश है तथा थाना कोतवाली चित्तौड़गढ़ का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसके खिलाफ पूर्व में जुआ अधिनियम के 20 तथा एनडीपीएस एक्ट के 5 मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी स्मैक की खेप कहां से लाता था और इसकी सप्लाई किन लोगों तक की जा रही थी। मामले में आगे की जांच जारी है। कार्रवाई में सदर थाना प्रभारी प्रेम सिंह, एसआई मुरलीदास, एएसआई बलवंत सिंह, हेड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह तथा कांस्टेबल पृथ्वीपाल सिंह, भजनलाल, दुर्गाराम, विजय कुमार और दीपक कुमार सहित सदर थाना एवं जिला विशेष टीम के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

NEET अभ्यर्थी ने की आत्महत्या, परिवार की पहली डॉक्टर बनने का था सपना, पेपर रद्द होने के बाद तनाव में थी छात्रा

24 न्यूज अपडेट



अलवर। दिल्ली में रहकर नीट (NEET) परीक्षा की तैयारी कर रही अलवर जिले की एक 18 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद वह लगातार मानसिक तनाव में थी। छात्रा का 21 जून को होने वाली री-नीट परीक्षा में शामिल होना था, लेकिन उससे पहले ही उसने यह कदम उठा लिया। मृतका रीनू मीणा (18) पुत्री हरिनारायण मीणा अलवर जिले के कठूमर क्षेत्र के भनोखर गांव की निवासी थी। वह अपने भाई-बहनों के साथ दिल्ली के पालम क्षेत्र में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। छात्रा के चाचा योगेश मीणा ने बताया कि रीनू पढ़ाई में बेहद मेधावी थी और उसने नीट परीक्षा की तैयारी के लिए पूरे साल प्रतिदिन 15 से 16 घंटे तक अध्ययन किया था। परीक्षा देने के बाद वह काफी आश्वस्त थी और अच्छे अंक आने की उम्मीद जता रही थी। उसका कहना था कि पेपर अच्छा गया है और अच्छी रैंक मिलने की संभावना है। परिजनों के अनुसार 13 जून को रीनू घर पर थी, जबकि उसके भाई-बहन लाइब्रेरी गए हुए थे। शाम को वापस लौटने पर रीनू अपने कमरे में चली गई। कुछ समय बाद जब भाई-बहनों ने उसे चाय पीने के लिए आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा खोलकर देखने पर वह फंदे से लटकी मिली। रीनू के पिता दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर निजी कार्य करते हैं और बच्चों की पढ़ाई के लिए परिवार दिल्ली में रह रहा था। परिजनों ने बताया कि रीनू ने 10वीं और 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे। परिवार को पूरी उम्मीद थी कि वह नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार की पहली डॉक्टर बनेगी। घटना के बाद 14 जून को छात्रा का शव उसके पैतृक गांव लाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया। 16 जून को भरतपुर सांसद संजना जाटव शोक संतप्त परिवार से मिलने पहुंचीं। उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए कहा कि परीक्षा से जुड़ी अनिश्चितताओं और तनाव का असर विद्यार्थियों पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में राजस्थान में नीट परीक्षा से जुड़े तनाव के बीच आत्महत्या के कई मामले सामने आए हैं। इससे पहले सीकर में नीट की तैयारी कर रहे दो छात्रों ने भी आत्महत्या कर ली थी। इन घटनाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

आयड़ में मजाक-मजाक में हुए मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, युवक पर चाकू से हमला

जातिसूचक टिप्पणी का विरोध करने पर वार करने का आरोप, आरोपी फरार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के आयड़ क्षेत्र में जैन मंदिर के समीप मंगलवार रात एक मामूली कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। विवाद के दौरान एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि घायल को उपचार के लिए एमबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 10:30 बजे की है। आयड़ स्थित जैन मंदिर के पास कुछ युवक खड़े होकर आपस में बातचीत और मजाक कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ी और एक युवक ने चाकू निकालकर दूसरे युवक की कमर पर वार कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर भूपालपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। घायल युवक चेतन ने आरोप लगाया कि आरोपी अरमान मजाक के दौरान जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर रहा था। विरोध करने पर वह भड़क गया और पहले मारपीट की, फिर चाकू निकालकर हमला कर दिया। चेतन ने मामले में पुलिस को शिकायत सौंप दी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद का प्रतीत हो रहा है। आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है। क्षेत्रवासियों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इलाके में बढ़ रही ऐसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

वडोदरा बस हादसे में 7 यात्रियों की मौत, 27 घायल, डूंगरपुर-बांसवाड़ा के परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर/बांसवाड़ा। गुजरात के वडोदरा शहर में बुधवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में राजस्थान के सात यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 27 अन्य घायल हो गए। मृतकों में एक 9 वर्षीय बालिका भी शामिल है। हादसे के बाद डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार बांसवाड़ा से सूरत जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस वडोदरा के कोटंबी स्टेडियम के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। दुर्घटना सुबह करीब चार बजे हुई, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ तथा वडोदरा अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एनडीआरएफ की छठी बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम को सुबह 4:40 बजे दुर्घटना की सूचना मिली थी। टीम ने आधुनिक उपकरणों और कटिंग मशीनों की सहायता से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हादसे में डूंगरपुर जिले के पाडवा निवासी पिंकी भाटिया (36), टामटिया निवासी प्रीत (9) पुत्री हितेश भाटिया, महेंद्र कुमार पांड्या (68), सागवाड़ा निवासी विनोद डामोर (30), राजवाड़ा निवासी बस चालक मुकेश डिंडोर (34), हरजिंगभाई वलजीभाई कटारा (30) तथा एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हादसे में पायल नाई, पिंकी रावल, मनीषा रावल, रामचंद्र डोरिया, शिल्पा पाटीदार, महेंद्र कटारा, आशीष यादव, आशीष कटारा, बंसीलाल राणे, जीवराजभाई, गुंजनबेन, नाराचया, पिंटू चरपोट, विजय कटारा, भेरूलाल मीना, सीमा यादव, सागर कटारा, भगवती भाई, कल्पेश गौर, पैलबेन नाई, शील, सुरेशभाई डिंडोर, रमेशभाई, पंकजभाई चरपोट, कमलेशभाई कटारा, मायाबेन पाटीदार सहित कई यात्री घायल हो गए।

वडोदरा के एसएसजी अस्पताल के आरएमओ डॉ. हितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने सभी आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। बताया जा रहा है कि मृत बालिका प्रीत की मां पायल नाई भी हादसे में घायल हुई हैं। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजन वडोदरा के लिए रवाना हो गए। कई परिवार अपने परिजनों की जानकारी जुटाने में लगे रहे। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार अथवा चालक की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सुचारु कर दिया गया।

महिला से पर्स छीनकर फरार हुए बाइक सवार, मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सविना थाना क्षेत्र में एक महिला से पर्स छीनकर फरार होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-14 निवासी श्री महर्षि भटनागर पुत्र दिलीप भटनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 जून 2026 की रात करीब 8:45 बजे उनकी माता गोपाल मार्बल कंपनी के पास से गुजर रही थीं। इसी दौरान दो बाइक सवार बदमाश उनका पर्स छीनकर फरार हो गए। प्रार्थी ने बताया कि पर्स में लगभग 3 से 4 हजार रुपये नकद तथा एक सैमसंग मोबाइल फोन रखा हुआ था। घटना के बाद आसपास के लोगों ने बदमाशों की तलाश का प्रयास किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। सविना थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की तलाश जारी है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल हितेन्द्र सिंह द्वारा की जा रही है।

महिला का पर्स छीनकर फरार हुए बाइक सवार, पुलिस ने दर्ज किया मामला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में झपटमारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो युवकों द्वारा एक महिला का पर्स छीनकर फरार होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार किशनपोल क्षेत्र निवासी श्रीमती राखी धारवार पत्नी गणेश डागर (43) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 जून 2026 की रात करीब 10:30 बजे उनकी बहन होटल रावला बोक्का के पास मौजूद थी। इसी दौरान बाइक पर आए दो अज्ञात युवक उनका पर्स छीनकर फरार हो गए। प्रार्थिया ने बताया कि पर्स में करीब 200 रुपये नकद तथा दो एटीएम कार्ड रखे हुए थे। घटना के बाद आसपास तलाश की गई, लेकिन आरोपियों का कोई पता नहीं चल सका। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 304(2) एवं 15(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की जांच उपनिरीक्षक वीरेन्द्र कुमार द्वारा की जा रही है।

ऑफिस के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में कार्यालय के बाहर खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार बेदला स्थित सुखदेव नगर निवासी प्रताप सिंह कच्छावा पुत्र रतन सिंह कच्छावा (43) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 जून 2026 को उन्होंने अपनी बाइक मधुबन स्थित रिलायबल लैब (Reliable Lab) के कार्यालय के सामने सुबह करीब 11:30 बजे खड़ी की थी। कुछ समय बाद लौटकर देखा तो बाइक वहां से गायब मिली। प्रार्थी ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उन्होंने हाथीपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा वाहन चोर की तलाश में जुटी है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल धनराज कर रहे हैं।

बाइक सवार बदमाशों का आतंक, दो अलग-अलग वारदातों में महिलाओं को बनाया निशाना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में झपटमारी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सूरजपोल थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने दो अलग-अलग वारदातों को अंजाम देकर महिलाओं को निशाना बनाया। दोनों मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना 15 जून की रात करीब 10:45 बजे नटराज होटल के सामने हुई। नेला तालाब, सेक्टर-14 निवासी जगदीश वसीटा पुत्र केसूलाल वसीटा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी पत्नी के साथ कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उनकी गाड़ी के पास पहुंचे और उनकी पत्नी के हाथ में पकड़ा पर्स झपटकर फरार हो गए। घटना के बाद आरोपियों की तलाश की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। वहीं दूसरी घटना पुराना ऑयल डिपो क्षेत्र में रात करीब 10:40 से 10:50 बजे के बीच हुई। सविना सेक्टर-9 निवासी 70 वर्षीय लक्ष्मीलाल सोनी पुत्र मथुरालाल सोनी अपनी पत्नी के साथ स्कूटी पर जा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो युवकों में से पीछे बैठे बदमाश ने उनकी पत्नी के गले में लटके छोटे बैग को झपटकर खींचने का प्रयास किया। हालांकि बैग महिला के हाथ में मजबूती से पकड़ा होने के कारण नहीं छूट सका, लेकिन अचानक झटका लगने से स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और पति-पत्नी दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों मामलों में सूरजपोल थाना पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ बीएनएस की धारा 304(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

भगवान के घर में फिर सेंध, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर की दानपेटी तोड़ ले गए चोर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब उन्हें न कानून का डर है और न ही धार्मिक स्थलों की पवित्रता का ख्याल। हिरण मगरी थाना क्षेत्र के सेक्टर-4 स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर एक बार फिर चोरों के निशाने पर आ गया। देर रात अज्ञात बदमाश मंदिर में घुसे और दानपेटियों को तोड़कर करीब 25 से 30 हजार रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए। सुबह जब श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचे तो मंदिर का नजारा देखकर हैरान रह गए। दानपेटियां टूटी पड़ी थीं और उनमें जमा श्रद्धालुओं की आस्था की रकम गायब थी। घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र के लोगों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इसी मंदिर में पहले भी तीन से चार बार चोरी हो चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी मामले में पुलिस चोरों तक नहीं पहुंच पाई। ऐसे में लोगों का सवाल है कि आखिर मंदिरों को बार-बार निशाना बनाने वाले बदमाशों पर लगाम कब लगेगी? हिरण मगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है लोगों की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि लगातार हो रही चोरी की वारदातों के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई।

महाराणा प्रताप जयंती पर उदयपुर में उमड़ा जनसैलाब, घुड़सवार युवाओं और तलवारधारी महिलाओं ने बढ़ाई शोभा

मोती मगरी पर 486 दीप प्रज्ज्वलित,486 किलो लड्डुओं का लगाया भोग

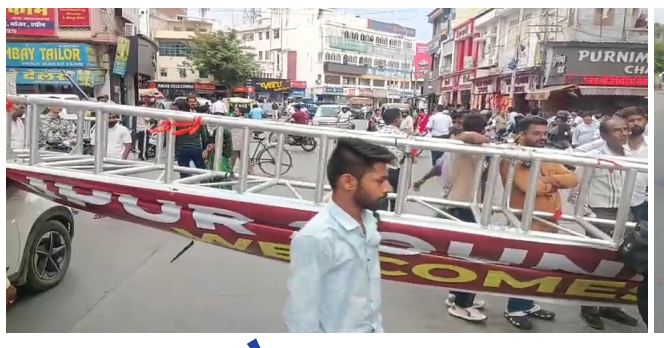


24 न्यूज अपडेट

गोगुंदा, 16 जून। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के अवसर पर प्रताप की राजतिलक स्थली गोगुंदा में आयोजित भव्य समारोह में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह पावन धरा आज भी देश की एकता और अखंडता की जीवंत प्रेरणा है। लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला दोपहर बाद प्रताप राजतिलक स्थली पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वप्रथम महादेव बावड़ी स्थित महाराणा प्रताप एवं राणा पूंजा भील की प्रतिमा तथा महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात वे मुख्य सभा स्थल पहुंचे, जहां हजारों की संख्या में मौजूद जनसमूह ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अपने संबोधन में श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल युद्ध और संघर्ष की गाथा नहीं, बल्कि स्वाभिमान, स्वतंत्रता और जनसेवा का महान संदेश है। उन्होंने कहा कि गोगुंदा में हुआ प्रताप का राजतिलक सत्ता या वैभव का प्रतीक नहीं था, बल्कि मेवाड़ की स्वतंत्रता और प्रजा के सम्मान की रक्षा का संकल्प था। प्रताप ने जंगलों में रहकर भी कभी अधीनता स्वीकार नहीं की और आदिवासी समाज, राणा पूंजा भील तथा भामाशाह जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का त्याग और चेतक की वीरता आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती है। यह भूमि हमें सिखाती है कि सच्चा नेतृत्व वही है जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो। समारोह में सांसद श्री सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जनजाति मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक श्री प्रताप लाल गमेती, उदयपुर ग्रामीण विधायक श्री फूल सिंह मीना तथा देहात भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पुष्कर तेली सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, महाराणा प्रताप और राणा पूंजा भील के चित्रों पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों का मेवाड़ी पाग, उपरणा एवं प्रताप प्रतिमा भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। चारों मंडल अध्यक्षों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष का 101 किलो की पुष्पमाला से अभिनंदन किया गया, वहीं तीर-कमान और गीता भेंट कर स्वागत की परंपरा निभाई गई। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं का सम्मान किया तथा लगभग 25 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना के लाभार्थियों से संवाद किया और विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष श्री चंद्रशेखर जोशी एवं श्री दयालाल चौधरी ने किया। समारोह में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति और मेवाड़ी गौरव से सराबोर रहा।



‘प्रतापी हवाओं’ को नहीं झेल पाया लापरवाही का स्वागत द्वार, बापू बाजार में भरभराकर गिरा विशाल गेट, कार सहित कई वाहन क्षतिग्रस्त; बड़ा सवाल-क्या सुरक्षा जांच के बिना मिल रही है अनुमति?





24 न्यूज अपडेट

महाराणा प्रताप जयंती के उत्साह के बीच बुधवार को शहर के व्यस्ततम बापू बाजार क्षेत्र में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जयंती समारोह के तहत लगाया गया विशाल स्वागत द्वार अचानक तेज हवा के दबाव से भरभराकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में एक कार और तीन से चार दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोई राहगीर या वाहन चालक इसकी चपेट में नहीं आया, अन्यथा बड़ा जान-माल का नुकसान हो सकता था। गिरते हुए लोहे और फाइबर के ढांचे की चपेट में आने से एक कार और तीन से चार दोपहिया वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वाहन मालिकों ने नुकसान की भरपाई और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। लोगों ने बताया कि बापू बाजार में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर उदयपुर साउंड एसोसिएशन की ओर से एक बड़ा स्वागत द्वार लगाया गया था। दोपहर के समय अचानक हवा का ऐसा प्रताप देखा गया कि कुछ ही पलों में पूरा ढांचा असंतुलित होकर नीचे आ गिरा। गिरते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। स्वागत द्वार का आकार बड़ा था, लेकिन उसे सुरक्षा मानकों के अनुरूप मजबूती से नहीं बांधा गया था। पर्याप्त सपोर्ट और एंकरिंग नहीं दी गई थी। घटना के बाद लोगों में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि जिला प्रशासन क्या कर रहा था?? क्या उसे लोगों के जान माल की चिंता भी है या फिर उसने ये सब चंद लोगों, चंद संगठनों के हाथों में गिरवी रख दिया है। जयंती का उत्साह अपनी जगह पर है मगर सुरक्षा मानकों से समझौता आपराधिक कृत्य है। इतने बड़े अस्थायी ढांचे को लगाने से पहले तकनीकी जांच की गई थी या नहीं। इस मामले में ढंग से जांच हो तो अफसर भी सस्पेंड होने चाहिए। क्या प्रशासन या संबंधित विभाग ने सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया था? यदि किया था तो फिर यह हादसा कैसे हुआ यह सवाल अब पहाड जैसा हो गया है।

चंद सेकंड का फर्क, टल गया बड़ा हादसा

बापू बाजार शहर का अत्यंत व्यस्त क्षेत्र माना जाता है, जहां दिनभर पैदल राहगीरों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। जिस स्थान पर गेट गिरा, वहां कुछ मिनट पहले तक लोगों की आवाजाही थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि घटना कुछ देर बाद होती तो कई लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

जिम्मेदार कौन?

हादसे के बाद लोगों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगी? आयोजनकर्ता संस्था, गेट लगाने वाला ठेकेदार या अनुमति देने वाला प्रशासन? हर बार की तरह क्या मामला कुछ दिनों में ठंडे बस्ते में चला जाएगा या फिर वास्तव में जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी?

प्रशासन से उठी सुरक्षा ऑडिट की मांग

घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि त्योहारों, जयंतियों और सार्वजनिक आयोजनों के दौरान लगाए जाने वाले स्वागत द्वारों, मंचों और अस्थायी ढांचों की अनिवार्य सुरक्षा जांच कराई जाए। उनका कहना है कि शहर में आए दिन बड़े-बड़े गेट और होर्डिंग लगाए जाते हैं, लेकिन उनकी मजबूती और सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर निगरानी दिखाई नहीं देती। फिलहाल इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या उत्सवों की चमक-दमक के बीच आमजन की सुरक्षा को नजरअंदाज किया जा रहा है? और सबसे बड़ा प्रश्न—क्या इस लापरवाही के लिए कोई जवाबदेह ठहराया जाएगा या जिम्मेदार फिर बच निकलेंगे?

महाराणा प्रताप जयंती पर मेवाड़ प्रताप सेवा ट्रस्ट ने दी श्रद्धांजलि, मोती मगरी तक निकाली शोभायात्रा, 21 बंदूकों की सलामी के साथ किया प्रताप को नमन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर मेवाड़ प्रताप सेवा ट्रस्ट द्वारा बुधवार को मोती मगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मोती मगरी प्रवेश द्वार से स्मारक तक शोभायात्रा निकाली तथा महाराणा प्रताप के शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। ट्रस्ट के जिला सचिव ने बताया कि शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए। महिलाएं हाथों में तलवारें लेकर चल रही थीं, जबकि पुरुष पारंपरिक परिधान में शामिल हुए। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने शौर्य प्रदर्शन करते हुए महाराणा प्रताप के जयघोष लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति और मेवाड़ गौरव के नारों से गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा के बाद महाराणा प्रताप स्मारक परिसर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि मोहन सालवी, विशिष्ट अतिथि पी.एस. खींची तथा कार्यक्रम अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के संस्थापक लाला सालवी मौजूद रहे। अतिथियों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अद्वितीय पराक्रम, त्याग और स्वाभिमान को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि स्वरूप 21 बंदूकों की सलामी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और आत्मसम्मान का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है। समारोह में अनुसूचित जाति भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल सालवी का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। अतिथियों ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी, महिला अध्यक्ष मंजू गहलोत, नरेंद्र मनौती, प्रभुलाल तेली, घनश्याम भाटी, मोहन सिंह चौहान, शेर सिंह राठौड़, प्रीतम सिंह, ओम सेन, सुनील अहीर, बलवंत सालवी, सतीश, हेमलता, रानी, सुमन, कविता, राजकुमारी, भंवर सालवी, नरोत्तम गौड़, राजकुमार, राकेश खत्री, घनश्याम गोराना सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने और समाज में राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

भव्य शोभायात्रा से गूंजा शहर, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी बोले- “महाराणा प्रताप पूरे राष्ट्र के गौरव”



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर बुधवार को बांसवाड़ा शहर में राजपूत समाज के तत्वावधान में भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे युवाओं, आकर्षक झांकियों, घुड़सवारों और जयघोषों के बीच पूरा शहर राष्ट्रभक्ति और मेवाड़ गौरव के रंग में रंगा नजर आया। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा गांधी मूर्ति स्थित राजपूत छात्रावास से गाजे-बाजे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ प्रारंभ हुई। यात्रा गांधी मूर्ति, मोहन कॉलोनी सहित विभिन्न मार्गों से होकर प्रताप सर्कल पहुंची। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थानों और समाजजनों ने स्वागत द्वार लगाकर प्रतिभागियों का अभिनंदन किया। मोहन कॉलोनी चौराहे पर श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के सदस्यों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर महारावल जगमाल सिंह सहित राजपूत समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। शोभायात्रा में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

महाराणा प्रताप के जयघोषों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

प्रताप सर्कल पर धर्मसभा, युवाओं को दिया स्वाभिमान का संदेश

शोभायात्रा के प्रताप सर्कल पहुंचने के बाद विशाल धर्मसभा का आयोजन किया गया। सभा में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उनके सिद्धांतों, संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। भाटी ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करना और अपने मूल्यों से समझौता नहीं करना सिखाता है। उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सदियों पहले थे।

स्थानीय युवाओं को मिले रोजगार का अधिकार

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने पश्चिमी राजस्थान में बिजली और रोजगार के मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तेजी से स्थापित हो रहे नए पावर प्लांट और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पश्चिमी राजस्थान देश में नवीकरणीय ऊर्जा का प्रमुख केंद्र बन रहा है, तब यहां के किसानों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। किसानों को मुफ्त या रियायती बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में गंभीर पहल की जानी चाहिए।

महाराणा प्रताप खेलगांव की दो खिलाड़ियों का गोवा में जोनल लेवल टेक्निकल ऑफिशियल कोर्स के लिए चयन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा प्रताप खेलगांव की दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हॉकी क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल करते हुए उदयपुर का गौरव बढ़ाया है। खेलगांव में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली खुशी टेलर और गुंजन कुमावत का चयन हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित जोनल लेवल टेक्निकल ऑफिशियल कोर्स के लिए हुआ है। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में हॉकी इंडिया द्वारा आयोजित स्टेट लेवल ऑफिशियल कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण किया था। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और योग्यता के आधार पर अब उन्हें जोनल स्तर के टेक्निकल ऑफिशियल कोर्स के लिए चयनित किया गया है। यह कोर्स 19 जून से 21 जून 2026 तक



गोवा में आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इस चयन को उदयपुर और राजस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। हॉकी कोच कनिष्का चौहान ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खुशी टेलर और गुंजन कुमावत अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राजस्थान और उदयपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक रोशन करेंगी। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने भी दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेलगांव में तैयार हो रही प्रतिभाएं लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं, जो जिले के खेल विकास के लिए सकारात्मक संकेत है।

रखरखाव कार्य के चलते गुरुवार को सात घंटे बिजली बंद रहेगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मानसून पूर्व रखरखाव एवं आवश्यक तकनीकी कार्यों के चलते शहर के 33/11 केवी मादड़ी पावर हाउस से जुड़े कई क्षेत्रों में गुरुवार को बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से आवश्यक कार्य पूर्व में निपटाने की अपील की है। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) के सहायक अभियंता (एचटीएम) के अनुसार निर्धारित शटडाउन के तहत सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान मादड़ी रोड नंबर-5 सहित आसपास के औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। शटडाउन के कारण मादड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित अनेक औद्योगिक इकाइयों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा संस्थानों की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इसके अलावा कानपुर गांव, बेडवास गांव, सावरिया नगर, आशापुरा विहार, चारभुजा विहार, महादेव विहार, श्रीनाथ वैली, लक्ष्मी नगर, तलाई क्षेत्र, रुद्र आशापुरा विहार, बालाजी नगर, अरिहंत विहार, कौशल विहार, परमात्मा विहार, श्रीजी विहार तथा आसपास के कई क्षेत्रों के उपभोक्ता भी प्रभावित होंगे। विभाग ने बताया कि मादड़ी फीडर संख्या 1 से 6 तक से जुड़े सभी उपभोक्ता इस शटडाउन की जद में रहेंगे। रखरखाव कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति पुनः सुचारु कर दी जाएगी। विद्युत निगम ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह कार्य मानसून के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।



समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।